

मिठाईचरित्र

जिसमें

बतासा, रेउरी, गट्टाआदि मिठाइयोंके नामों
पर दोहा में नायका भेद कहा गया है

जिसको

डाक्टर छेदीलाल कोलापुरी उपनाम
प्रेमचन्दने निर्मित किया

बाजपेयि पण्डित रामरत्नके प्रबन्ध से

दूसरीबार

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपा
मई सन् १८९३ ई०

हक्रमहफूज है वहक इसछापेखाने के



मिठाई चरित्र ॥

दोहा ॥

गौरीसुत गौरीशगुरु, नमोनाभि मकरन्द ।
 कछुकोतुकरचिजगतीहित, प्रेमचन्दआनन्द ॥
 सोरठा ॥ शारदनारदशेष, बुधसमाजविनतीकरों ।
 क्षमोशुद्धकरद्वेष, चरितमिठाईजगविदित ॥ दोहा ॥
 होंअतिमन्दबुद्धिकर, सुजनबुद्धि अवगाह । जो
 क्षितिहोनिर्वीजअति, तौशशिकरतनछांह ॥ अस
 जियजानिकृपाकरि, प्रेमदीनअनुमान । देखेहुवर
 णदोषयुत, निरमलकरिहितजान ॥ जेतेलखेउँ
 समिष्टना, लिखेउँबुद्धिअनुमान । चक्रन अक्षर
 होहिंजत, दोहा ततपहिचान ॥ विरहदयो पिय
 ऐसखी, कहापरयो ममचूक । छाती असफाटयो
 अली, जसगढा दुइटूक ॥ गद्या १ ॥ लाग्यो मास

बसन्तजो, यहो मोहिं बड़नास । बिरहानल दा-
 हत नितै, मधुरैबहत बतास ॥ बतासा २ ॥ कारे
 प्रीतम कपटकरि, मनमम लीन्होंचोर । मैंतोह-
 रिरैउरीभई, तूकसहोत न मोर ॥ रेउरी ३ ॥ पिय
 सन्देशो नहिंमिल्यो, कोकरिहै निरवाह । सुखि
 सखी खुर्माभई, पाछेकरिहैंकाह ॥ खुर्मा ४ ॥ जो
 जनत्यं पियबीछुरे, निकसन लागिहिं प्रान । तो
 गहिहैदे लगावत्यं, मनहुंइमिरतीजान ॥ इमिरती
 ५ ॥ प्रीतमतेहिंभावैनहीं, मोसन अतिहीडीठ ।
 मोकहैं पियअस लागहीं, जनुमिसिरी महंमीठ ॥
 मिश्रो ६ ॥ जोप्रीतम ममबीछुरें, कोदेहै मोहिंभोग ।
 टिकिया असडोलतरहों, साधोंसखि तबयोग ॥
 टिकिया ७ ॥ पियमोहिं खेलखेलावहीं, निशिबा-
 सर करिआरि । बालूसाही असकियो, लेतवोदे
 तबिगारि ॥ बालूसाही ८ ॥ पीयकचौरी एसखी, प-
 कौरी पियनाहिं । मनलडुआ कारति फिरें, पूरी
 परतकिनाहिं ॥ लड्डू ९ ॥ पियतौ मोसोंरुसिगे,
 जस ब्रजपै भे शक्र । निशि दिन टेढ़ेही रहत,
 मनहुं जलेबी बक्र ॥ जलेबी १० ॥ पियागयोपर-
 देशवा, नहिंकछुपावतखान । मनहलुआकरिउ-

डिमिलों, पियपावहिं पकवान ॥ हलुआ ११ ॥
 तियकर कुचपियपरसिकै, करतजीम अनुमान ।
 बरफी मनहुं पहाड़ है, परशतही पहिचान ॥ बरफी
 १२ ॥ पिय बिछुरयो मोहिंसोंअली, कहिनग-
 योकहुजात । उड़िपेड़ामें जामिलों, परनहिंदान
 विधात ॥ पेड़ा १३ ॥ अबलाजियशोचत अहै,
 पियबिनुदेह गँभीर । गुपचुप अस चुड़चुड़प-
 रत, जनुवादर तें नीर ॥ गुपचुप १४ ॥ जोप्रीतम
 यहिऔसर, आवहिं करिमोहिंप्रेम । तौमें प्रीतम
 सेवती, निशिबासर करिप्रेम ॥ सेव १५ ॥ कारे
 मधुकर अरु जलधि, कारे कन्त हमार । कार
 गुलाबी जामुनी, हदैमाहिं धरुडार ॥ गुलाबजामुन १६
 लाग्यो दधिको दान जो, भयो सबनि दुखभार ।
 लाचीदाननलादेहुं, दधिकर दानअपार ॥ इला-
 यचीदाना १७ ॥ काहकरोंकरिजातनहिं, बालममति
 अतिभोर । बीदाना अस रसिक कहां, बहुजिय
 चाहत मोर ॥ बीदाना १८ ॥ प्रीतम छाँड़िकहां
 गयो, भलजिय कठिन कठोर । मैवपुरी पपरीभ-
 ई, हदैसुखान्योंमोर ॥ पपड़ी १९ ॥ तोहिं कारण
 पियमैनई, निशिदिन करतशृंगार । खाजापिय

हररिपुदहै, जनिजिय विषदैमार ॥ खाभा २० ॥
 प्रीतम बिनुहररिपुदहै, निशिदिनलागतआग ।
 मानहुँमोहिंखजुलीभई, उपजतबहु अनुराग ॥
 खजुली २१ ॥ श्रावणमास अषाढ़ महँ, सरिता
 बहइबनाइ । बहै बतासाफेन कै, जलधूमिल कै
 जाइ ॥ बतासफेनी २२ ॥ यहमें सुनेहुँ सँदेशरा, पि-
 य आयेहु यहिदेश । हलुआसोहन कै गइउँ, ज-
 वहीं सुनेहुँ सँदेश ॥ हलुआसोहन २३ ॥ प्रीतम
 मोहिंउठावहीं, उठहुंनहिं बड़भार । जोमें फेनि-
 यां होइत्युं, उठत्युं लागिवयार ॥ फेनियां २४ ॥
 प्रीतमगे परदेशजो, मोसुधिगयेहु भुलाय । सूखि
 सखीतिलकुट भइउँ, अबहुँ प्रीतमआय ॥ तिल-
 कुट २५ ॥ फूलीतिय पियछवि निरखि, भलपिय
 जिय अनुमानि । मालपुआ असमोहिं निरखि,
 कुचपरशत पियपानि ॥ मालपुआ २६ ॥ हे पिय
 भल बिछुरन कियो, मोहिं भयो परतीत । नान-
 खताई जानहु, तौनहिं आवहु नीत ॥ नानखताई
 २७ ॥ मोपियनितै पढ़ावहीं, नाजानों कछुनीक ।
 लउस जो आवतही नहीं, मीठोहोत कि फीक ॥
 लउस २८ ॥ पीवगयो हररिपु दह्यो, गयो न पिव

६

मिठाई चारित्र ।

सँग जीव । बुँदिया परत अषाढ महँ, जाहु पथिक
 लापीव ॥ बुँदिया २६ ॥ पिय सपने महँ काभयो,
 मोहिं नहिं देत देखाइ । मानहुं खोय सोहाग अत्र,
 निशिदिन जिय बिलखाइ ॥ खोवा ३० ॥ कठिन
 पत्थर सजनको, वासन नहिं कछु तेज । सूखिसखी
 लकठी भई, पाति उलिखि नहिं भेज ॥ लकठी ३१ ॥

गट्टा	रेउड़ी	इमिरती	टिकिया
इलायचीदाना	पपड़ी	खजुली	हलुआ सोहन
लड्डू	हलुआ	पेड़ा	सेव
तिलकुट	नानखताई	बुँदिया	लकठी

(चन्द्र १)

बताशा	रेउड़ी	मिश्री	टिकिया
जलेबी	हलुआ	गुपचुप	सेव
बोदाना	पपड़ी	बतासफेनी	हलुआ सोहन
मालपुआ	नानखताई	खोवा	लकठी

(नेत्र २)

खुर्मा	इमिरती	मिश्री	टिकिया
बरफी	पेड़ा	गुपचुप	सेव
खाफा	खजुली	बतासफेनी	हलुआ सोहन
लउस	बुँदिया	खोवा	लकठी

(वेद ४)

मिठाईचरित्र ।

७

बालूसाही	लड्डू	जलेबी	हलुआ
बरफी	पेड़ा	गुपचुप	सेव
फेनियां	तिलकुट	मालपुआ	नानखताई
लउस	बुंदिया	खोवा	लकठी

(बसु ८)

गुलाबजामुन	इलायचीदाना	बीदाना	पपड़ी
खाफा	खजुली	बतासफेनी	हलुआमोहन
फेनियां	तिलकुट	मालपुआ	नानखताई
लउस	बुंदिया	खोवा	लकठी

(शृंगार १६)

बार वेद ग्रंथ अरु अर्वनि, मार्गशीर्ष सित
पक्ष । युगल प्रेमपूरण भयो, छेदीनाम प्रत्यक्ष ॥
वसों पहाड़ पहाड़पुर, गोरखपुर शुभजान ।
काशी अरु नैपालके, मध्य अहै अस्थान ॥

इतिशुभमस्तु ॥

मुन्शी नवलकिशोर (सी,आई,ई) केछापेखाने में छपा
मई सन् १८९३ ई० ॥

हकमहफूजहै बहकइसछापेखानेके ॥

मिठाईचरित्र

जिसमें

बतासा, रेउरी, गट्टाआदि मिठाइयोंके नामों
पर दोहा में नायका भेद कहा गया है

जिसको

डाक्टर छेदीलाल कोलापुरी उपनाम
प्रेमचन्दने निर्मित किया

बाजपेयि पण्डित रामरत्नके प्रबन्ध से

दूसरीबार

लखनऊ

मुंशीनवलकिशोर (सी,आई,ई) के छापेखाने में छपा
मई सन् १८९३ ई०

हकूमहफूज है बहक इसछापेखाने के



मिठाई चरित्र ॥

दोहा ॥

गौरीसुत गौरीशगुरु, नमोनाभि मकरन्द ।
कछुकोतुकरचिजगतीहित, प्रेमचन्दआनन्द ॥
सोरठा ॥ शारदनारदशेष, बुधसमाजविनतीकरौ ।
क्षमोशुद्धकरद्वेष, चरितमिठाईजगविदित ॥ दोहा ॥
होंअतिमन्दबुद्धिकर, सुजनबुद्धि अवगाह । जो
क्षितिहोनिर्बीजअति, तौशशिकरतनछांह ॥ अस
जियजानिकृपाकरि, प्रेमदीनअनुमान । देखेहुवर
णदोषयुत, निरमलकरिहितजान ॥ जेतेलखेउँ
समिष्टना, लिखेउँबुद्धिअनुमान । चक्रन अक्षर
होहिंजत, दोहा ततपहिचान ॥ बिरहदयो पिय
ऐसखी, कहापरयो ममचूक । छाती असफाट्यो
अली, जसगद्दा दुइटूक ॥ गद्या १ ॥ लाग्यो मास

बसन्तजो, यहो मोहिं बड़त्रास । बिरहानल दा-
 हत नितै, मधुरैबहत बतास ॥ बतासा २ ॥ कारे
 प्रीतम कपटकरि, मनमम लीन्होंचोर । मैंतोह-
 रिरैउरीभई, तूकसहोत न मोर ॥ रेउरी ३ ॥ पिय
 सन्देशो नहिंमिल्यो, कोकरिहै निरबाह । सूखि
 सखी खुर्माभई, पाछेकरिहैंकाह ॥ खुर्मा ४ ॥ जो
 जनत्युं पियबीछुरे, निकसन लागिहिं प्रान । तो
 गहिहदै लगावत्युं, मनहुंइमिरतीजान ॥ इमिरती
 ५ ॥ प्रीतमतोहिंभावेनहीं, मोसन अतिहीडीठ ।
 मोकहैं पियअस लागहीं, जनुमिसिरी महँमीठ ॥
 मिश्रो ६ ॥ जोप्रीतमममबीछुरें, कोदेहै मोहिंभोग ।
 टिकिया असडोलतरहों, साधोंसखि तबयोग ॥
 टिकिया ७ ॥ पियमोहिं खेलखेलावहीं, निशिबा-
 सर करिआरि । बालूसाही असकियो, लेतवोदे
 तबिगारि ॥ बालूसाही ८ ॥ पीयकचौरी एसखी, प-
 कौरी पियनाहिं । मनलडुआ कारति फिरैं, पूरी
 परतकिनाहिं ॥ लड्डू ९ ॥ पियतौ मोसोंरुसिगे,
 जस ब्रजपै भे शक्र । निशि दिन टेढ़ेही रहत,
 मनहुं जलेबी बक्र ॥ जलेबी १० ॥ पियागयोपर-
 देशवा, नहिंकछुपावतखान । मनहलुआकरिउ-

डिमिलों, पियपावहिं पकवान ॥ हलुआ ११ ॥
 तियकर कुचपियपरसिकै, करतजीम अनुमान ।
 बरफी मनहुं पहाड़ है, परशतही पहिचान ॥ बरफी
 १२ ॥ पिय बिछुरयो मोहिंसोंअली, कहिनग-
 योकछुजात । उड़िपेड़ामें जामिलों, परनहिंदान
 बिधात ॥ पेड़ा १३ ॥ अबलाजियशोचत अहे,
 पियबिनुदेह गँभीर । गुपचुप अस चुड़चुड़प-
 रत, जनुवादर तें नीर ॥ गुपचुप १४ ॥ जोप्रीतम
 यहिऔसर, आवहिं करिमोहिंप्रेम । तौमें प्रीतम
 सेवती, निशिबासर करिप्रेम ॥ सेव १५ ॥ कारे
 मधुकर अरु जलधि, कारे कन्त हमार । कार
 गुलाबी जामुनी, हदैमाहिं धरुडार ॥ गुलाबजामुन १६
 लाग्यो दधिको दान जो, भयो सबनि दुखभार ।
 लाचीदाननलादेहुं, दधिकर दानअपार ॥ दला-
 यचीदाना १७ ॥ काहकरोंकरिजातनहिं, बालममति
 अतिभोर । बीदाना अस रसिक कहां, बहुजिय
 चाहत मोर ॥ बीदाना १८ ॥ प्रीतम छाँड़िकहां
 गयो, भलजिय कठिन कठोर । मैवपुरी पपरीभ-
 ई, हदैसुखान्योंमोर ॥ पपड़ी १९ ॥ तोहिं कारण
 पियमैनई, निशिदिन करतशृंगार । खाजापिय

हररिपुदहै, जनिजिय विषदैमार ॥ खाभा २० ॥
 प्रीतम बिनुहररिपुदहै, निशिदिनलागतआग ।
 मानहुँमोहिंखजुलीभई, उपजतबहु अनुराग ॥
 खजुली २१ ॥ श्रावणमास अषाढ़ महँ, सरिता
 बहइबनाइ । बहै बतासाफेन कै, जलधूमिल कै
 जाइ ॥ बतासफेनी २२ ॥ यहमें सुनेहुँ सँदेशरा, पि-
 य आयेहु यहिदेश । हलुआसोहन कै गइउँ, ज-
 वहीं सुनेहुँ सँदेश ॥ हलुआसोहन २३ ॥ प्रीतम
 मोहिंउठावहीं, उठहुंनहिं बड़भार । जोमैं फेनि-
 यां होइत्यू, उठत्यू लागिवयार ॥ फेनियां २४ ॥
 प्रीतमगे परदेशजो, मोसुधिगयेहु भुलाय । सूखि
 सखीतिलकुट भइउँ, अबहुँ प्रीतमआय ॥ तिल-
 कुट २५ ॥ फूलीतिय पियछवि निरखि, भलपिय
 जिय अनुमानि । मालपुआ असमोहिं निरखि,
 कुचपरशत पियपानि ॥ मालपुआ २६ ॥ हे पिय
 भल बिछुरन कियो, मोहिं भयो परतीत । नान-
 खताई जानहु, तौनहिं आवहु नीत ॥ नानखताई
 २७ ॥ मोपियनितै पढ़ावहीं, नाजानों कछुनीक ।
 लउस जो आवतही नहीं, मीठोहोत कि फीक ॥
 लउस २८ ॥ पीवगयो हररिपु दह्यो, गयो न पिव

६

मिठाई चारित्र ।

सँग जीव । बुँदिया परत अषाढ महँ, जाहु पथिक
 लापीव ॥ बुँदिया २६ ॥ पिय सपने महँ काभयो,
 मोहिं नहिं देत देखाइ । मानहुं खोय सोहाग अब,
 निशि दिन जिय बिलखाइ ॥ खोवा ३० ॥ कठिन
 पथरे सजनको, वासन नहिं कह्यु तेज । सूखिसखी
 लकठी भई, पाति उलिखि नहिं भेज ॥ लकठी ३१ ॥

गट्टा	रेउडो	इमिरती	टिकिया
इलायचीदाना	पपडो	खजुली	हलुआ सोहन
लड्डू	हलुआ	पेडा	सेव
तिलकुट	नानखताई	बुँदिया	लकठी

(चन्द्र १)

बताशा	रेउडो	मिश्री	टिकिया
जलेबी	हलुआ	गुपचुप	सेव
बोदाना	पपडो	बतासफेनी	हलुआ सोहन
मालपुआ	नानखताई	खोवा	लकठी

(नेत्र २)

खुर्मा	इमिरती	मिश्री	टिकिया
बरफी	पेडा	गुपचुप	सेव
खाफा	खजुली	बतासफेनी	हलुआ सोहन
लउस	बुँदिया	खोवा	लकठी

(बेद ४)

घालूसाही	लड्डू	जलेबी	हलुआ
बरफी	पेड़ा	गुपचुप	सेव
फेनियां	तिलकुट	मालपुआ	नानखताई
लउस	बुंदिया	खोथा	लकठी

(वसु ८)

गुलाबजामुन	इलायचीदाना	बीदाना	पपड़ी
खाका	खजुली	बतासफेनी	हलुआसोहन
फेनियां	तिलकुट	मालपुआ	नानखताई
लउस	बुंदिया	खोथा	लकठी

(जंगार १६)

बार वेद ग्रंथ अरु अर्वनि, मार्गशीर्ष सित
पक्ष । युगल प्रेमपूरण भयो, छेदीनाम प्रत्यक्ष ॥
बसों पहाड़ पहाड़पुर, गोरखपुर शुभजान ।
काशी अरु नैपालके, मध्य अहै अस्थान ॥

इतिशुभमस्तु ॥

मुन्शी नवलकिशोर (सी,आई,ई) केछापेखाने में छपा
मई सन १८९३ ई० ॥

हक्रमहफूजहै बहकइसछापेखानेके ॥